बच्चों की सच्ची कहानियां

4

Jhoota Chor (Hindi)

झूटा चोर

शैख़े त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी र-ज़वी دامت برکاتہم العالیہ

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ ط
اَمَّا بَعْدُ! فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ط بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ط

झूटा चोर

दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत

ह़ज़रते **अ़ब्दुल्लाह** बिन सलाम رَحْمَةُ اللّٰهِ تَعَالٰى عَلَيْه अपने भाई ह़ज़रते उ़स्मान رَحْمَةُ اللّٰهِ تَعَالٰى عَلَيْه से मुलाक़ात करने गए तो वोह बहुत ख़ुश दिखाई दिये और कहने लगे : मैं ने

झूटा चोर

आज रात ख़्वाब में सरकारे मदीना صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم का दीदार किया, आप صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ने मुझे एक डोल (या'नी बरतन) अ़ता फ़रमाया जिस में पानी था, मैं ने पेट भर कर पिया जिस की ठन्डक अभी तक महसूस कर रहा हूं। उन्हों ने पूछा : आप को येह मक़ाम कैसे हासिल हुवा ? जवाब दिया : नबिय्ये अकरम صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم पर कसरत से दुरूदे पाक पढ़ने की वज्ह से।

(سَعادَةُ الدَّارَيْن ص١٤٩)

दीदार की भीक कब बटेगी ?

मंगता है उम्मीद वार आक़ा

(ज़ौक़े ना'त)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

1 झूटा चोर

एक शख़्स ने अपने चचा के बेटे (Cousin) का माल चुरा लिया, मालिक ने **चोर** को ह़-रमे पाक में पकड़ लिया और कहा : येह मेरा माल है, **चोर** ने कहा : तुम झूट बोलते हो, उस शख़्स ने कहा : ऐसी बात है तो क़सम खा कर दिखाओ ! येह सुन कर उस **चोर** ने (का'बा शरीफ़ के सामने) "मक़ामे इब्राहीम" के पास खड़े हो कर क़सम खा ली, येह देख कर माल के मालिक ने "रुक्ने यमानी" और मक़ामे इब्राहीम के दरमियान खड़े हो कर दुआ़ के लिये हाथ उठा लिये, अभी वोह दुआ़ मांग ही रहा था कि चोर **पागल** हो गया और वोह मक्का शरीफ़ में इस त़रह़ चीख़ने चिल्लाने

लगा : "मुझे क्या हो गया ! और माल को क्या हो गया !! और माल के मालिक को क्या हो गया !!" येह ख़बर **अल्लाह तआ़ला के प्यारे नबी** صَلَّی اللّٰهُ تَعَالٰی عَلَیْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم के दादाजान ह़ज़रते **अ़ब्दुल मुत्त़लिब** رَضِیَ اللّٰهُ تَعَالٰی عَنْهُ को पहुंची तो आप رَضِیَ اللّٰهُ تَعَالٰی عَنْهُ तशरीफ़ लाए और वोह माल जम्अ़ कर के जिस का था, उस शख़्स को दे दिया और वोह उसे ले कर चला गया, जब कि **वोह चोर पागलों की त़रह़ (भागता और) चीख़ता चिल्लाता रहा, यहां तक कि एक पहाड़ से नीचे गिर कर मर गया और जंगली जानवर उस को खा गए ।**

(اَخبار مَکّۃ لِلاَزْرَقی ج۲ ص۲۶ مُلَخَّصًا)

चोर को दो सांप नोच नोच कर खाएंगे

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो ! न कभी **झूट** बोलो, न कभी **झूटी क़सम** खाओ और न ही कभी किसी की कोई चीज़ चुराओ कि इस में दुन्या में भी तबाही है और आख़िरत में भी तबाही। ह़ज़रते **मसरूक़** رَحْمَةُ اللهِ تَعَالٰی عَلَيْه से रिवायत है : जो शख़्स चोरी या शराब ख़ोरी में मुब्तला हो कर मरता है उस पर **क़ब्र** में **दो सांप** मुक़र्रर कर दिये जाते हैं जो उस का गोश्त नोच नोच कर खाते रहते हैं।

(شَرْحُ الصُّدُور ص ۱۷۲ مُلَخَّصًا)

2
टेढ़ी लाठी
वाला
झूटा चोर

2 टेढ़ी लाठी वाला झूटा चोर

हमारे प्यारे प्यारे आक़ा, मक्के मदीने वाले मुस्त़फ़ा صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم का फ़रमाने आ़लीशान है : मैं ने जहन्नम में एक शख़्स को देखा जो अपनी टेढ़ी **लाठी**[1] के ज़रीए़ ह़ाजियों की चीज़ें चुराता, जब लोग उसे चोरी करता देख लेते तो कहता : "मैं चोर नहीं हूं, येह सामान मेरी टेढ़ी लाठी में अटक गया था।" **वोह आग में अपनी टेढ़ी लाठी पर टेक लगाए येह कह रहा था :**

---

1 : ह़दीसे पाक में यहां लफ़्ज़ "مِحْجَن" है, इस का मा'ना है : या'नी ऐसी लाठी जिस के कनारे पर लोहा लगा हुवा हो और वोह "होकी" की त़रह़ मुड़ी हुई हो। (اشعۃ اللمعات ج ۳ ص ۵۷)

"मैं टेढ़ी लाठी वाला चोर हूं।"

(جَمْعُ الْجَوامِع لِلسُّیُوطی ج۳ ص۲۷ حدیث۷۰۷۶)

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो !

إِنْ شَآءَ اللّٰه न हम कभी झूट बोलेंगे न कभी चोरी करेंगे।

सब मिल कर ना'रा लगाओ :

झूट के ख़िलाफ़ ए'लाने जंग है !

न झूट बोलेंगे न बुलवाएंगे !

إِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ۔

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

3
झूट बोलने
वालों के बच्चे
सुअर बन गए

3 झूट बोलने वालों के बच्चे सुअर बन गए

ह़ज़रते **ईसा** عَلَيْهِ السَّلَام के पास बहुत से बच्चे जम्अ़ हो जाते थे, आप عَلَيْهِ السَّلَام उन्हें बताते थे कि तुम्हारे घर फुलां चीज़ तय्यार हुई है, तुम्हारे घर वालों ने फुलां फुलां चीज़ खाई है, फुलां चीज़ तुम्हारे लिये बचा कर रखी है, बच्चे घर जाते रोते और घर वालों से वोह चीज़ मांगते। घर वाले वोह चीज़ देते और उन से कहते कि तुम्हें किस ने बताया ? बच्चे कहते : (ह़ज़रते) **ईसा** (عَلَيْهِ السَّلَام) ने। तो लोगों ने अपने बच्चों को

आप (عَلَيْهِ السَّلَام) के पास आने से रोका और कहा कि वोह जादूगर हैं (مَعَاذَ الله), उन के पास न बैठो और एक मकान में सब बच्चों को जम्अ़ कर दिया । ह़ज़रते ईसा عَلَيْهِ السَّلَام बच्चों को तलाश करते तशरीफ़ लाए तो लोगों ने कहा : वोह यहां नहीं हैं । आप عَلَيْهِ السَّلَام ने फ़रमाया कि फिर इस मकान में कौन है ? लोगों ने (**झूट** बोलते हुए) कहा : येह तो (बच्चे नहीं) **सुअर** हैं । फ़रमाया : ऐसा ही होगा । अब जो दरवाज़ा खोला तो सब **सुअर** ही **सुअर** थे ।

(तफ़्सीरे ख़ज़ाइनुल इरफ़ान, स. 115, تفسیر طبری ج۳ ص۲۷۸ ملخصًا)

झूटा दोज़ख़ के अन्दर कुत्ते की शक्ल में.....

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो ! बेशक **अल्लाह तआ़ला** ग़ैब और छुपी हुई चीज़ों का जानने वाला है वोह जिसे चाहता है उसे ग़ैब और छुपी हुई चीज़ों का इल्म देता है जभी तो ह़ज़रते **ईसा** عَلَيْهِ السَّلَام घर में छुपाई हुई चीज़ों के बारे में बच्चों को ख़बर दे देते थे। इस **ह़िकायत** से हमें येह भी दर्स मिला कि **झूट** बहुत ख़राब चीज़ है लोगों ने झूट बोला तो घर में छुपे हुए उन के बच्चे बदले में **ख़िन्ज़ीर** (या'नी सुअर) बन गए। ह़ज़रते **ह़ातिमे** असम رَحْمَةُ اللهِ تَعَالٰى عَلَيْه फ़रमाते हैं : हमें येह बात पहुंची है, **"झूटा" दोज़ख़ में**

कुत्ते की शक्ल में बदल जाएगा, ''ह़सद करने वाला'' जहन्नम में **सुअर** की शक्ल में बदल जाएगा और ''ग़ीबत करने वाला'' जहन्नम में बन्दर की शक्ल में बदल जाएगा। (تَنبِیهُ الْمُغتَرِّین ص ١٩٤)

लगाओ झूट के ख़िलाफ़ ना'रा :

झूट के ख़िलाफ़ ए'लाने जंग है !

न झूट बोलेंगे न बुलवाएंगे !

اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللّٰہُ تَعالٰی علٰی محمَّد

4
झूटा ख़्वाब
सुनाने का अन्जाम

4 झूटा ख़्वाब सुनाने का अन्जाम

ह़ज़रते इमाम मुह़म्मद बिन सीरीन رَحۡمَۃُ اللّٰہِ تَعَالٰی عَلَیۡہ से एक आदमी ने कहा : "मैं ने ख़्वाब देखा कि मेरे हाथ में पानी से भरा हुवा एक शीशे का पियाला है, वोह पियाला तो टूट गया है, मगर पानी जूं का तूं मौजूद है।" येह सुन कर आप رَحۡمَۃُ اللّٰہِ تَعَالٰی عَلَیۡہ ने फ़रमाया : **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ से डर, (और झूट न बोल) क्यूं कि तू ने ऐसा कोई ख़्वाब नहीं देखा, वोह आदमी कहने लगा : سُبۡحٰنَ اللّٰہ! मैं एक ख़्वाब सुना रहा हूं, और आप फ़रमा रहे हैं कि तू ने कोई ख़्वाब नहीं देखा ! आप رَحۡمَۃُ اللّٰہِ تَعَالٰی عَلَیۡہ ने फ़रमाया : बेशक येह **झूट** है और मैं इस झूट के नतीजे का ज़िम्मेदार नहीं,

"अगर तू ने वाक़ेई येह ख़्वाब देखा है, तो तेरी बीवी एक बच्चा जनेगी, फिर मर जाएगी और बच्चा ज़िन्दा रहेगा।" इस के बा'द वोह आदमी जब आप رَحْمَةُ اللهِ تَعَالٰی عَلَيْه के पास से चला गया और पीछे से कहने लगा : **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ की क़सम ! मैं ने तो ऐसा कोई ख़्वाब देखा ही नहीं था ! येह सुन कर किसी ने कहा : लेकिन इमाम मुहम्मद बिन सीरीन رَحْمَةُ اللهِ تَعَالٰی عَلَيْه ने ख़्वाब की ता'बीर बयान फ़रमा दी है । येह हिकायत बयान करने वाले बुज़ुर्ग हज़रते हिशाम رَحْمَةُ اللهِ تَعَالٰی عَلَيْه फ़रमाते हैं : इस वाक़िए को ज़ियादा अ़र्सा नहीं गुज़रा था कि झूटा ख़्वाब बयान करने वाले **झूटे आदमी** के हां एक बच्चे की विलादत हुई लेकिन उस की बीवी मर गई और बच्चा ज़िन्दा रहा।

(تاریخ دمشق ج۵۳ص۲۳۲ بتغیر قلیل)

5 झूटे के जबड़े चीरे जा रहे थे

5 झूटे के जबड़े चीरे जा रहे थे

मीठे मीठे म-दनी मुन्नो और म-दनी मुन्नियो ! झूट बोलना और झूटा ख़्वाब बयान करना गुनाह व ह़राम और जहन्नम में ले जाने वाला काम है। मरने के बा'द झूटे को बहुत ही ख़राब अ़ज़ाब होगा। **फ़रमाने मुस्त़फ़ा** صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم है : ख़्वाब में एक शख़्स मेरे पास आया और बोला : चलिये ! मैं उस के साथ चल दिया, मैं ने दो आदमी देखे, उन में एक खड़ा और दूसरा बैठा था, खड़े हुए शख़्स के हाथ में लोहे का ज़म्बूर[1] था जिसे वोह बैठे शख़्स के एक जबड़े में डाल कर उसे गुद्दी

مدینہ

1 : या'नी लोहे की सलाख़ जिस का एक त़रफ़ का सिरा मुड़ा हुवा होता है।

तक चीर देता फिर ज़म्बूर निकाल कर दूसरे जबड़े में डाल कर चीरता, इतने में पहले वाला जबड़ा अपनी अस्ली ह़ालत पर लौट आता, मैं ने लाने वाले शख़्स से पूछा : येह क्या है ? उस ने कहा : येह **झूटा** शख़्स है इसे क़ियामत तक क़ब्र में येही अ़ज़ाब दिया जाता रहेगा।

(مَساوِی الْاَخلاق لِلخَرائطی ص۷٦حدیث ۱۳۱)

लगाओ झूट के ख़िलाफ़ ना'रा :

झूट के ख़िलाफ़ ए'लाने जंग है !

न झूट बोलेंगे न बुलवाएंगे !

اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ

صَلُّوا عَلَی الْحَبِیب ! صَلَّی اللّٰہُ تعالٰی علٰی محمَّد

6 सच्चा चरवाहा

6 सच्चा चरवाहा

ह़ज़रते **नाफ़ेअ़** رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ फ़रमाते हैं : ह़ज़रते **अ़ब्दुल्लाह** बिन उ़मर رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُمَا अपने बा'ज़ साथियों के साथ एक सफ़र में थे रास्ते में एक जगह ठहरे और खाने के लिये दस्तर ख़्वान बिछाया, इतने में एक **चरवाहा** (या'नी बकरियां चराने वाला) वहां आ गया आप رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ ने फ़रमाया : आइये, दस्तर ख़्वान से कुछ ले लीजिये, अ़र्ज़ की : मेरा रोज़ा है, ह़ज़रते **अ़ब्दुल्लाह** बिन उ़मर رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُمَا ने फ़रमाया : क्या तुम इस सख़्त गरमी के दिन में (नफ़्ल) रोज़ा रखे हुए हो जब कि तुम इन पहाड़ों में बकरियां चरा रहे हो, उस ने कहा : **अल्लाह** की क़सम ! मैं येह इस लिये कर रहा हूं कि

ज़िन्दगी के गुज़रे हुए दिनों की तलाफ़ी (या'नी बदला अदा) कर लूं। आप رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ ने उस की परहेज़ गारी का इम्तिहान लेने के इरादे से फ़रमाया : क्या तुम अपनी बकरियों में से एक बकरी हमें बेचोगे ! उस की क़ीमत और गोश्त भी तुम्हें देंगे ताकि तुम उस से रोज़ा इफ़्तार कर सको, उस ने जवाब दिया : येह बकरियां मेरी नहीं हैं, मेरे मालिक की हैं, आप رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ ने आज़माने के लिये फ़रमाया : मालिक से कह देना कि भेड़िया (Wolf) इन में से एक को ले गया है, गुलाम ने कहा : तो फिर **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ कहां है ? (या'नी **अल्लाह** तो देख रहा है, वोह तो हक़ीक़त को जानता है और इस पर मेरी पकड़ फ़रमाएगा) जब आप رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنْہُ मदीने वापस

तशरीफ़ लाए तो उस के मालिक से गुलाम और सारी बकरियां ख़रीद लीं फिर चरवाहे को आज़ाद कर दिया और बकरियां भी उसे तोहफ़े में दे दीं।

(شُعَبُ الْاِیمان ج٤ص٣٢٩حدیث٥٢٩١ مُلَخَّصًا)

اَلْحَمْدُ لِلّٰه! सच बोलने में दुन्या और आख़िरत दोनों में इ़ज़्ज़त मिलती है। हमेशा सच बोलो, कभी झूट मत बोलो!

लगाओ झूट के ख़िलाफ़ ना'रा :

झूट के ख़िलाफ़ ए'लाने जंग है !

न झूट बोलेंगे न बुलवाएंगे !

اِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ۔

صَلُّوا عَلَی الْحَبِیب! صَلَّی اللّٰهُ تَعَالٰی عَلٰی مُحَمَّد

7

सच बोलने से जान बच गई

7 सच बोलने से जान बच गई

ह़ज्जाज बिन यूसुफ़ एक दिन चन्द क़ैदियों को क़त्ल करवा रहा था, एक क़ैदी उठ कर कहने लगा : ऐ अमीर ! मेरा तुम पर एक ह़क़ है। **ह़ज्जाज** ने पूछा : वोह क्या ? कहने लगा : एक दिन फुलां शख़्स तुम्हें बुरा भला कह रहा था तो मैं ने तुम्हारा दिफ़ाअ़ (या'नी बचाव) किया था। **ह़ज्जाज** बोला : इस का गवाह कौन है ? उस शख़्स ने कहा : मैं **अल्लाह तआ़ला** का वासित़ा दे कर कहता हूं कि जिस ने वोह गुफ़्त-गू सुनी थी वोह गवाही दे। एक दूसरे क़ैदी ने उठ कर कहा : हां ! येह वाक़िआ़ मेरे सामने पेश आया था। **ह़ज्जाज** ने कहा : पहले क़ैदी को रिहा कर दो, फिर गवाही देने वाले

से पूछा : तुझे क्या रुकावट थी कि तू ने उस क़ैदी की त़रह़ मेरा दिफ़ाअ़ (या'नी बचाव) न किया ? उस ने सच्चाई से काम लेते हुए कहा : "रुकावट येह थी कि मेरे दिल में तुम्हारी पुरानी दुश्मनी थी।" **ह़ज्जाज** ने कहा : इसे भी रिहा कर दो क्यूं कि इस ने बड़ी हिम्मत के साथ **सच** बोला है। (وَفیاتُ الْاَعْیان لابن خلکان ج۱ص۲۱۱مُلَخَّصًا)

सच बोलने वाला हमेशा काम्याब होता है क्यूं कि "सांच को आंच नहीं" या'नी सच बोलने वाले को कोई ख़त़रा नहीं।

लगाओ झूट के ख़िलाफ़ ना'रा :

झूट के ख़िलाफ़ ए'लाने जंग है !
न झूट बोलेंगे न बुलवाएंगे !

اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ۔

صَلُّوا عَلَی الْحَبِیب ! صَلَّی اللّٰہُ تعالٰی علٰی محمَّد

बच्चों के झूट की 24 मिसालें

फ़रमाने मुस्त़फ़ा صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم : "झूट में कोई भलाई नहीं।" (مُؤطّا امام مالك ج ۲ ص ٤٦٧ حديث ١٩٠٩)

झूट के मा'ना हैं : "सच का उलट।"

"झूट बोलना रब को सख़्त ना पसन्द है" के चौबीस हुरूफ़ की निस्बत से बच्चों के झूट की 24 मिसालें

अच्छे बच्चे हमेशा **सच** बोलते हैं, गन्दे बच्चे त़रह़ त़रह़ से **झूट** बोलते हैं, गन्दे बच्चों के झूट बोलने की 24 मिसालें पेश की जाती हैं :

1 उस ने न गाली दी न ही मारा होता है फिर

भी कहना : उस ने मुझे गाली निकाली है 2 उस ने मुझे मारा है 3 मैं ने तो उसे कुछ भी नहीं कहा (ह़ालां कि "कहा" होता है) 4 उस ने मेरा खिलोना तोड़ दिया (ह़ालां कि उस ने नहीं तोड़ा होता) 5 भूक होने के बा वुजूद मन पसन्द चीज़ न मिलने की वज्ह से कहना : "मुझे भूक नहीं है" 6 दूध पीने को जी नहीं चाहता इस लिये वॉशरूम वग़ैरा में बहा कर ख़ाली गिलास दिखा कर बोलना : "मैं ने दूध पी लिया है" 7 न करने के बा वुजूद कहना : मैं ने होमवर्क कर लिया है या सबक़ याद कर लिया है 8 छोटे भाई वग़ैरा के इरेज़र (ERASER, मिटाने वाले रबड़) पर क़ब्ज़ा जमा कर कहना : येह मेरा इरेज़र (ERASER) है 9 याद होने

के बा वुजूद कहना : मैं ने तो बिस्तर में पेशाब नहीं किया 10 (सोते में पेशाब कर देने वाले बच्चे को अगर सोने से पहले पेशाब कर लेने को कहा गया तो पेशाब न किया हो फिर भी कहना :) मैं पेशाब कर चुका हूं 11 मैं ने फ़्रीज से चीज़ नहीं खाई (ह़ालां कि खाई थी) 12 इस ने मुझे धक्का दिया था (ह़ालां कि खुद ठोकर खा कर गिरे होते हैं) 13 पेशाब का ख़याल न होने या मा'मूली ख़याल होने के बा वुजूद द-रजे में क़ारी साह़िब या उस्ताज़ से कहना : मुझे ज़ोर का पेशाब लगा हुवा है, वॉशरूम जाने की इजाज़त दे दीजिये 14 खुद शोर किया होने के बा वुजूद कहना : मैं तो शोर नहीं कर रहा था 15 कल बुख़ार की वज्ह से होमवर्क नहीं कर

सका (ह़ालां कि बुख़ार नहीं था) 16 मैं अपनी पेन्सिल स्कूल वेन या घर में भूल आया हूं (ह़ालां कि मा'लूम होता है कि स्कूल या दारुल मदीना में गुमी है) 17 रात बिजली चली गई थी इस लिये सबक़ याद नहीं कर सका (जब कि याद न करने का सबब सुस्ती या खेलकूद या कुछ और था) 18 फुलां फुलां बच्चे ने शरारत की है मैं तो बड़े आराम से बैठा हुवा था (ह़ालां कि खुद भी शरारत में शामिल थे) 19 उस ने मेरी पेन्सिल तोड़ दी है (ह़ालां कि अपने ही हाथ से टूटी होती है) 20 येह झूट बोल रहा है (जब कि मा'लूम है कि येह सच्चा है) 21 "मेरी जेब से पैसे कहीं गिर गए हैं" या बोलना : किसी बच्चे ने मेरे पैसे चुरा लिये हैं

(ह़ालां कि पैसों से चीज़ ले कर मज़े से खा ली थी)

22 अपनी सियाही (INK) से कपड़े गन्दे हो गए मगर डांट पड़ने पर कहना : एक बच्चे ने मेरे कपड़ों पर सियाही गिरा दी थी 23 दर्द न होने के बा वुजूद उस्ताद से कहना : मेरे पेट में दर्द हो रहा है मुझे छुट्टी दे दीजिये 24 मा'मूली सी खांसी या हलका सा बुख़ार होने के बा वुजूद अम्मी या अब्बू की हमदर्दियां लेने के लिये उन के सामने जान बूझ कर ज़ोर ज़ोर से खांसना या उन के सामने इस लिये कराहना...आ...ऊ... की आवाज़ निकालना ताकि येह समझें कि त़बीअ़त बहुत ख़राब है (येह आ'ज़ा का झूट है, छोटे बड़े सभी इस त़रह़ के झूट से बचें)

बच्चों बड़ों सब के लिये कारआमद म-दनी फूल

बच्चों बड़ों सब के लिये कारआमद[1] म-दनी फूल

फ़रमाने मुस्त़फ़ा صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم : **''अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ पाक है पाकी को पसन्द फ़रमाता है, वोह पाकीज़ा है पाकीज़गी को पसन्द फ़रमाता है।''

(तिरमज़ी ج ٤ ص ٣٦٥ حديث ٢٨٠٨)

मुफ़स्सिरे शहीर **ह़कीमुल उम्मत** ह़ज़रते मुफ़्ती अह़मद यार ख़ान رَحْمَةُ اللّٰهِ تَعَالٰى عَلَيْه इस ह़दीसे पाक के तह़्त लिखते हैं : ज़ाहिरी पाकी को त़हारत कहते हैं और बात़िनी पाकी को ''त़ीब'' और ज़ाहिरी बात़िनी दोनों पाकियों को नज़ाफ़त कहा जाता है, या'नी **अल्लाह तआ़ला** बन्दे की ज़ाहिरी बात़िनी पाकी पसन्द फ़रमाता

مدینہ

1 : या'नी काम आने वाले।

है। बन्दे को चाहिये कि हर त़रह़ पाक रहे जिस्म, नफ़्स, रूह़, लिबास, बदन, अख़्लाक़ ग़रज़ कि हर चीज़ को पाक रखे साफ़ रखे, अक़्वाल, अफ़्आ़ल, अह़्वाल अ़क़ाइद सब दुरुस्त रखे, **अल्लाह तआ़ला** ऐसी **नज़ाफ़त** नसीब करे[1] दांत से नाख़ुन न काटें कि मक्रूहे (तन्ज़ीही) है और इस से बरस (या'नी बदन पर सफ़ेद दाग़) के मरज़ का अन्देशा है[2] ह़म्माम या बेसीन वग़ैरा पर जान बूझ कर पानी में इस त़रह़ **साबुन** रख देना कि पिघल कर ज़ाएअ़ हो रहा हो, येह इसराफ़ ह़राम और गुनाह है इस्तिन्जा ख़ाने में जो कुछ

مدینہ

1 : मिरआतुल मनाजीह़, जि. 6, स. 192, 2 : عالمگیری ج٥ ص ٣٥٨

निकले उस को बहा दीजिये, पेशाब करने के बा'द अगर हर फ़र्द एक लोटा और पाख़ाना कर के ह़स्बे ज़रूरत पानी बहा दिया करे तो اِنْ شَآءَاللّٰہ عَزَّوَجَلَّ बदबू और जरासीम की अफ़्ज़ाइश में कमी होगी, जहां एक आध लोटा पानी काफ़ी हो वहां पूरे फ़्लश टेंक का पानी न बहा दिया जाए क्यूं कि वोह कई लोटे पर मुश्तमिल होता है जहां कमोड (COMMODE, कुरसी नुमा जा-ए इस्तिन्जा) हो वहां क़रीब ही एक छोटा सा तोलिया लटका दीजिये या कमोड के फ़्लश पर रख दीजिये। हर एक को चाहिये कि इस्ति'माल करने के बा'द उस तोलिये से कमोड के कनारे अच्छी त़रह़ ख़ुश्क कर दिया करे, इस त़रह़ दूसरों

को कमोड इस्ति'माल करने में आसानी होगी

इस्तिन्जा ख़ाने की दरो दीवार पर कुछ न लिखिये, अगर पहले से कुछ लिखा हुवा हो तो उसे भी न पढ़िये

हाथ मुंह धोने, बरतन, कपड़े, गाड़ी, इस्तिन्जा, वुज़ू और गुस्ल वग़ैरा में ज़रूरत से ज़ाइद पानी ख़र्च न कीजिये दूसरों के सामने पर्दे की जगह हाथ लगाना, उंग्लियों के ज़रीए बदन का मैल छुड़ाना, बार बार नाक को छूना या नाक या कान में उंगली डालना, थूकते रहना अच्छी बात नहीं, इस से दूसरों को घिन आती है

बाहर इस्ति'माल किया हुवा जूता पहन कर इस्तिन्जा ख़ाने जाने से बचना मुनासिब है क्यूं कि इस से फ़र्श गन्दा हो जाता है घर के इस्तिन्जा ख़ाने के लिये

चप्पल की दो जोड़ियां (एक ज़नाना और एक मर्दाना) मख़्सूस कर लीजिये। **मस्अला :** औ़रत के लिये मर्दाना और मर्द के लिये ज़नाना चप्पल या जूती इस्ति'माल करना **गुनाह** है ❁ खाना खाते वक़्त बे पर्दगी से बचते हुए कपड़े इस त़रह़ समेट लीजिये कि इन पर सालन वग़ैरा न गिरे ❁ बा'ज़ बच्चों को अंगूठा चूसने की आ़दत होती है, येह कोई अच्छी बात नहीं है क्यूं कि इस त़रह़ अंगूठे और नाखुन का मैल कुचैल बच्चे के पेट में जा कर बीमारियों का सबब बन सकता है ❁ हाथ पर तेल या चिक्नाई होने की सूरत में दीवार या पर्दे या बिस्तर की चादर पर हाथ न रगड़ें न ही पोंछें, येह चीज़ें

भी आलूदा हो जाती हैं ❁ बिला ज़रूरत क़मीस के बाज़ू से पसीना साफ़ न कीजिये इस से बाज़ू गन्दा रहता है और देखने वालों पर अच्छा असर नहीं छोड़ता ❁ अपनी कंघी, दस्तर ख़्वान वग़ैरा हफ़्ते में एक मर्तबा अच्छी त़रह़ धो लेना चाहिये, ताकि इन का मैल वग़ैरा छूट जाए ❁ जब भी सर में तेल लगाएं तो सरबन्द शरीफ़ की सुन्नत पर अ़मल कर लीजिये, इस का एक फ़ाएदा येह भी होगा कि टोपी और इ़मामा काफ़ी ह़द तक तेल की आलू-दगी से बचा रहेगा ❁ बा'ज़ इस्लामी भाई दाढ़ी के बाल बार बार मुंह में डालते रहते हैं जिस से बालों में बदबू पैदा हो सकती है, इस त़रह़ करने से

बालों में मौजूद जरासीम पेट में जा सकते हैं बोलने में थूक निकलने और ग़िज़ाई अज्ज़ा लगते रहने के सबब निचले होंट के क़रीबी बालों में बदबू हो जाने का इम्कान रहता है लिहाज़ा दाढ़ी का इक्राम करने की निय्यत से रोज़ाना एक आध मर्तबा साबुन से दाढ़ी धो लेना मुफ़ीद है बिला मजबूरी क़मीस के दामन से नाक साफ़ करने से बचिये, इस काम के लिये रुमाल इस्ति'माल कीजिये खाने के बा'द बरतन को अच्छी त़रह़ साफ़ कर लेना चाहिये और थाल या प्लेट के गिर्द गिरे हुए दाने वग़ैरा उठा कर साफ़ कर के खा लेने चाहिएं, ह़ज़रते जाबिर رَضِیَ اللّٰہُ تَعَالٰی عَنۡہُ से रिवायत है कि ताजदारे मदीना,

क़रारे क़ल्बो सीना صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم ने उंगलियों और बरतन के चाटने का हुक्म दिया और फ़रमाया : "तुम्हें मा'लूम नहीं कि खाने के किस ह़िस्से में ब-र-कत है"[1]

जब भी खाना या कोई ग़िज़ा खाएं ख़िलाल की आ़दत बनानी चाहिये । खाने के बा'द नाखुनों से ख़िलाल करना मुनासिब नहीं । बेहतर येह है कि ख़िलाल नीम की लकड़ी का हो कि इस की तल्ख़ी से मुंह की सफ़ाई होती है और येह मसूढ़ों के लिये मुफ़ीद होती है । बाज़ारी TOOTH PICKS उ़मूमन मोटी और कमज़ोर होती हैं । नारियल की तीलियों की गै़र मुस्ता'मल झाड़ू की एक तीली या खजूर

مدینہ

ـــــــــــــــــــــــــــــــ

۱: مُسلِم ص۱۱۲۲ حدیث ۲۰۳۳

की चटाई की एक पट्टी से ब्लेड के ज़रीए कई मज़्बूत ख़िलाल तय्यार हो सकते हैं। बा'ज़ अवक़ात मुंह के कोने के दांतों में ख़ला होता है और उस में बोटी वग़ैरा का रेशा फंस जाता है जो कि तिन्के वग़ैरा से नहीं निकल पाता। इस त़रह़ के रेशे निकालने के लिये मेडीकल स्टोर पर मख़्सूस त़रह़ के धागे (flossers) मिलते हैं नीज़ ऑपरेशन के आलात की दुकान पर दांतों की स्टील की कुरीदनी (curved sickle scaler) भी मिलती है मगर इन चीज़ों के इस्ति'माल का त़रीक़ा सीखना बहुत ज़रूरी है वरना मसूढ़े ज़ख़्मी हो सकते हैं

बा'ज़ों को जगह जगह थूकने की आ़दत होती है जो

झूटा चोर

दूसरों के लिये ना पसन्दीदा होती है और राह चलते नीज़ कोनों खांचों में पान थूकना तो बहुत ही बुरी बात है।

बाबासूट मत पहनाइये

अपने बच्चों को ऐसे बाबासूट मत पहनाइये जिन पर इन्सान या जानवर की तस्वीर बनी हो।

ग़मे मदीना, बक़ीअ़, मग़्फ़िरत और बे हिसाब जन्नतुल फ़िरदौस में आक़ा के पड़ोस का त़ालिब

22 मुहर्रमुल हराम 1436 सि.हि.

16-11-2014

येह रिसाला पढ़ कर दूसरे को दे दीजिये

शादी ग़मी की तक़रीबात, इज्तिमाआ़त, आ'रास और जुलूसे मीलाद वग़ैरा में **मक-त-बतुल मदीना** के शाएअ़ कर्दा रसाइल और म-दनी फूलों पर मुश्तमिल पेम्फ़लेट तक़्सीम कर के सवाब कमाइये, गाहकों को ब निय्यते सवाब तोह़फ़े में देने के लिये अपनी दुकानों पर भी रसाइल रखने का मा'मूल बनाइये, अख़्बार फ़रोशों या बच्चों के ज़रीए अपने महल्ले के घर घर में माहाना कम अज़ कम एक अ़दद सुन्नतों भरा रिसाला या म-दनी फूलों का पेम्फ़लेट पहुंचा कर नेकी की दा'वत की धूमें मचाइये और ख़ूब ख़ूब सवाब कमाइये।

फ़ेहरिस

उ़न्वान	सफ़हा	उ़न्वान	सफ़हा
दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत	1	झूटा ख़्वाब सुनाने का अन्जाम	12
झूटा चोर	3	झूटे के जबड़े चीरे जा रहे थे	14
चोर को दो सांप नोच नोच कर खाएंगे	5	सच्चा चरवाहा	16
टेढ़ी लाठी वाला झूटा चोर	6	सच बोलने से जान बच गई	19
झूट बोलने वालों के बच्चे सुअर बन गए	8	बच्चों के झूट की 24 मिसालें	21
झूटा दोज़ख़ के अन्दर कुत्ते की शक्ल में......	10	बच्चों बड़ों सब के लिये कारआमद म-दनी फूल	26

مآخذ و مراجع

کتاب	مطبوعہ	کتاب	مطبوعہ
تفسیر طبری	دارالکتب العلمیۃ بیروت	مراۃ المناجیح	ضیاء القرآن پبلی کیشنز مرکز الاولیاء لاہور
تفسیر خزائن العرفان	مکتبۃ المدینہ باب المدینہ کراچی	عالمگیری	دارالفکر بیروت
ترمذی	دارالفکر بیروت	وفیات الاعیان	دارالکتب العلمیۃ بیروت
مؤطا امام مالک	دارالمعرفۃ بیروت	تاریخ دمشق	دارالفکر بیروت
شعب الایمان	دارالکتب العلمیۃ بیروت	اخبار مکۃ	دار خضر بیروت
مساوی الاخلاق	دارالکتب العلمیۃ بیروت	تنبیہ المغترین	دارالمعرفۃ بیروت
جمع الجوامع	دارالکتب العلمیۃ بیروت	شرح الصدور	مرکز اہلسنت برکات رضا الہند
اشعۃ اللمعات	کوئٹہ	سعادۃ الدارین	دارالکتب العلمیۃ بیروت

आक़ा صلی اللہ تعالٰی علیہ واٰلہٖ وسلم को पीले दांत ना पसन्द

फ़रमाने मुस्त़फ़ा صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم **:** ‘‘मिस्वाक करो ! मिस्वाक करो ! मेरे पास पीले दांत ले कर न आया करो ।’’ (جَمْعُ الْجَوامِع،حدیث ۲۸۷۰)

बा’ज़ बच्चे (बल्कि बड़े भी) दांत साफ़ नहीं करते जिस की वज्ह से उन के मुंह से बदबू आती, दांत पीले हो जाते, दांतों में कीड़ा लग जाता, मसूढ़ों से ख़ून आता और कभी तो दांत भी निकालना पड़ जाता है ।

मक-त-बतुल मदीना®
दा’वते इस्लामी

मुम्बई : 19, 20, मुहम्मद अ़ली रोड, मांडवी पोस्ट ऑफ़िस के सामने, मुम्बई फ़ोन : 022-23454429
देहली : 421, मटिया मह़ल, उर्दू बाज़ार, जामेअ़ मस्जिद, देहली फ़ोन : 011-23284560
नागपूर : ग़रीब नवाज़ मस्जिद के सामने, सैफ़ी नगर रोड, मोमिन पुरा, नागपूर : (M) 09373110621
अजमेर शरीफ़ : 19/216 फ़लाहे दारैन मस्जिद, नाला बाज़ार, स्टेशन रोड, दरगाह, अजमेर फ़ोन : 0145-2629385
हैदरआबाद : पानी की टंकी, मुग़ल पुरा, हैदरआबाद फ़ोन : 040-24572786
हुब्ली : A.J. मुढोल कोम्पलेक्ष, A.J. मुढोल रोड, ओल्ड हुब्ली ब्रीज के पास, हुब्ली, कर्नाटक. फ़ोन : 08363244860

फ़ैज़ाने मदीना, त्री कोनिया बग़ीचे के सामने, मिरज़ापूर, अह़मदआबाद-1, गुजरात, इन्डिया
Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net